FORM NO III

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी,भीलवाडा

पीठासीन अधिकारी–दिव्यराज सिंह चुण्डावत (आर.ए.एस.)

प्रकरण संख्या 77 / 2025	दायर दिनांक 24.01.2025	निर्णय दिनांक 04.04.2025

1. श्री चतरा आत्मज श्री प्रताप रेगर निवासी दातडा छोटा तहसील सवाईपुर जिला भीलवाड़ा (राज.)

– प्रार्थी

बनाम

1. बालु आत्मज श्री लक्ष्मण रेगर निवासी दातडा छोटा तहसील सवाईपुर जिला भीलवाड़ा (राज.)
2. सायर पत्नि हरजी बलाई दातडा छोटा तहसील सवाईपुर जिला भीलवाड़ा (राज.)
3. तुलछीराम आत्मज श्री प्रताप रेगर दातडा छोटा तहसील सवाईपुर जिला भीलवाड़ा (राज.)
4. राजस्थान राज्य जरिये तहसीलदार कोटडी

——विपक्षीगण

उपस्थितः–अधिवक्ता प्रार्थी श्री विरेन्द्र सिंह शेखावत
अप्रार्थी संख्या 01 से लगाकर 3 उपस्थित नहीं

–: प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111 व 128 आर0एल0आर एक्ट :–

संक्षेप में विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थीगण ने विपक्षीगण के विरूद्ध प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111 व 128 राज0 भू राजस्व अधिनियम, 1956 प्रस्तुत कर निवेदन किया कि ग्राम दातडा (छोटा) पटवार हल्का किशनगढ भू–अभिलेख निरीक्षक क्षैत्र नन्दराय (हॉल सवाईपुर) तहसील सवाईपुर जिला–भीलवाड़ा की सरहद मे मुझ प्रार्थी की कृषि आराजियात स्थित है जिसका विवरण आराजी संख्या 1/67 रकबा 0.6482 हकत ।।। आराजी संख्या 277/1 रकबा 0.2161 हकत ।।। कृषि, भूमि स्थित है। प्रार्थी की खातेदारी एवं कब्जे काश्त की है और प्रतिवादी के पडौसी खातेदारान है। प्रार्थी एवं विपक्षीगण की आराजियात के बीच कोई स्थाई सीमा चिन्ह नही होने के कारण विवाद होता रहता है। अतः प्रार्थीगण खातेदारी आराजियात की मौके पर अभिलेख अनुसार नपती की जाकर मौके पर स्थाई सीमा चिन्ह स्थापित कराना चाहता है। प्रार्थी वर्णित भूमि के खातेदार काश्तकार है।

उपखण्ड अधिकारी
भीलवाड़ा

भीलवाड़ा

इस पर प्रार्थीगण के प्रार्थना पत्र को दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। प्रार्थी संख्या 01 से लगायत 03 उपस्थित नहीं। प्रार्थी अधिवक्ता उपस्थित। वकील प्रार्थीगण द्वारा प्रकरण का निस्तारण आज ही किये जाने की ईश्तदुआ की गई। हाजिर वकील प्रार्थीगण द्वारा निवेदन किया गया कि मामला पत्थरगढी का है व प्रार्थी अपनी आराजियात की पत्थरगढी कराना चाहते है। हमने प्रार्थना पत्र का अवलोकन किया। चिंतन मनन् किया एंव पत्रावली को वास्ते आदेश नियत किया गया।

मेंने पत्रावली में प्रार्थी की ओर से प्रस्तुत राजस्व अभिलेख नकल जमाबन्दी का अवलोकन किया गया। प्रकरण के तथ्यों व बहस पर मनन किया। प्रार्थी आराजियात के खातेदार काश्तकार होकर इन्हे आराजियात की नपती करा सीमांकन (पत्थरगढी) कराने का अधिकार निहित है। उपर्युक्त विवेचन के कम में प्रार्थी प्रार्थना पत्र में अंकित भूमि के खातेदार होने से सीमांकन (पत्थरगढी) कराने के अधिकारी होने से प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111 व 128 राज0 भू राजस्व अधिनियम, 1956 स्वीकार किया जाता है।

अतः नायब तहसीलदार बडलियास को सीमांकन (पत्थरगढी) करने का आदेश दिया जाता है कि ग्राम दांतडा (छोटा) पटवार हल्का किशनगढ भू–अभिलेख निरीक्षक क्षैत्र नन्दराय (हॉल सवाईपुर) तहसील सवाईपुर जिला–भीलवाड़ा की सरहद मे हम प्रार्थीगण की कृषि आराजिया स्थित है जिसका विवरण आराजी संख्या 1/67 रकबा 0.6482 हकत ।।। आराजी संख्या 277/1 रकबा 0.2161 हकत ।।। कृषि, भूमि स्थित है। उक्त कृषि भूमि की पत्थरगढ़ी कार्य संपादन से पूर्व फरिकेन मुकदमा को सूचित किया जावे। पत्थरगढ़ी का आशय पक्षकारों की उपस्थिति में निशानात कायम करने भर से है। इस आदेश में किसी पक्ष की बेदखली व कब्जा देने की कार्यवाही नहीं की जाए तथा किसी न्यायालय का स्थगन न हो तो एवं मौके पर फसल खडी न हो तो बन्दोबस्ती नक्शे अनुसार नपती की जाकर सीमा चिन्ह स्थापित कर सीमांकन(पत्थरगढी) हेतु नायब तहसीलदार बडलियास को 1000–00 अक्षरे एक हजार रूपये शुल्क पर मौका कमिश्नर नियुक्त किया जाता है, कमिश्नरी शुल्क रिकार्ड विधिवत संधारित किया जाकर पालना रिपोर्ट मय पर्चा मौका आगामी 15 दिवस में आवश्यक रूप से पेश करे, तथा कमिश्नरी फीस प्रार्थीगण से मौके पर प्राप्त करे। नायब तहसीलदार बडलियास को तहरीर जारी करे।

पत्रावली की निर्णित इन्द्राज की जाकर बाद आवश्यक कार्यवाही अभिलेखागार में भिजवाई जावे। निर्णय आज दिनांक 04-04-2025 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।

उपखण्ड अधिकारी
भीलवाड़ा

(दिव्यराज सिंह चूण्डावत)
उपखण्ड अधिकारी
भीलवाडा